This question paper contains **2** printed pages. Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : **7012**

Unique Paper Code : 2132203601

Name of the Paper : Sanskrit Literature: Katha-Kavya, DSC

Name of Course. : Bachelor of Arts With Sanskrit, NEP UGCF 2022

Semester : VI

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यकन होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English,** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** गद्यांशों/पद्यों का अनुवाद कीजिए: 3 x 6 = 18
   Translate any **three** of the following paragraphs/stanzas:

   क) शीलं शौचं क्षान्तिर्दाक्षिण्यं मधुरता कुले जन्म ।
   न विराजन्ति हि सर्वे वित्तविहीनस्य पुरुषस्य॥

   ख) न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति।
   संशयं पुनरारुह्य यदि जीवति पश्यति।।

   ग) मातृवत्परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत।
   आत्मवत्सर्वभूतेषुयःपश्यतिसपण्डितः।

   घ) अपरं त्वदीयं गीतं न मधुरस्वरम् शङ्खशब्दानुकारं दूरादपि श्रूयते। तदत्र क्षेत्रे रक्षापुरुषा: सुप्ता: सन्ति। ते उत्थाय वधं बन्धनं वा करिष्यन्ति। तद्भक्षय तावदमृतमयाशचिर्भटीः मा त्वमत्र गीतव्यापारपरो भव।

   ङ) अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्नपश्यम् । एको वृद्धव्याघ्र: स्नातः कुशहस्तः सरस्तीरे ब्रूते 'भो भोपन्थाः। इदं सुवर्णकङ्कणं गृह्यताम्'। ततो लोभाकृष्टेन केनचित् पान्थेनालोचितम्- भाग्येनैतत्सम्भवति। किंत्वस्मिन्नात्म सन्देहे प्रवृत्तिर्न विधेया।

   च) कस्मिश्चिज्जलाशये शतबुद्धि सहस्रबुद्धिश्च द्वौ मत्स्यौ निवसत: स्म। अथ तयोरेकबुद्धिर्नाम मण्डूको मित्रतां गतः। एवं ते त्रयोऽपि जलतीरे वेलायां कञ्चित्कालं सुभाषितगोष्ठीसुखमनुभूय भूयोऽपि सलिलं प्रविशन्ति। अथ कदाचित् तेषां गोष्ठीगतानां जालहस्ता धीवराः प्रभूतैः मत्स्यैः व्यापादितैः मस्तके विधृतैरस्तमनवेलायां तस्मिन् जलाशये समायाताः। ततः सलिलाऽऽशयं दृष्ट्वा मिथः प्रोचुः- "अहो ! बहुमत्स्योऽयं ह्रदो दृश्यते स्वल्पसलिलश्च। तत्प्रभाते अत्र आगमिष्यामः" । एवमुक्त्वा स्वगृहंगताः।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों/पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2 x 9 = 18
Explain any **two** of the following paragraphs/stanzas with reference to context:

क) लोभात्क्रोध: प्रभवति लोभात्कामः प्रजायते।
लोमान्मोहश्चनाशश्च लोभः पापस्यकारणम्।

ख) कुदृष्टंकुपरिज्ञातं कुश्रुतं कुपरीक्षितम्

तन्नरेणनकर्तव्यं नापितेनाऽत्र यत्कृतम॥

ग) उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रु संकटे।
राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः॥

क) वरं बुद्धिर्न सा विद्या इति यद् भवतोक्तं तत्रेयं मे मतिर्यत् –'न एकान्तेन बुद्धिरपि प्रमाणम्।'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 9
Explain any **one** of the following Verses in Sanskrit:

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम् ।
उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

अथवा/or

अपि शास्त्रेषु कुशला लोकाचार विवर्जिताः।
सर्वे ते हास्यतां यान्ति यथा ते मूर्ख पण्डिताः॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2 x 18 = 36
Answer any **two** of the following questions:

क) संस्कृत कथा-काव्य परम्परा के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए।

Describe the origin and development of Sanskrit Katha-kavya tradition.

ख) संस्कृत नीतिकथा साहित्य पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Sanskrit nitikatha literature.

ग) लोभाविष्टचक्रधर कथा का सार लिखते हुए उससे प्राप्त शिक्षाओं की विवेचना कीजिए।

Writing the summary of Lobhavishta Chakradhara Katha, analyse its teachings.

घ) राक्षसशृगाल कथा को अपने शब्दों में लिखिए। कथा से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?
Write the Rakshasa-Shrigala Katha in your own words. What do we learn from the story?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2 x 4.5= 9
Write short notes on any **two** of the following:

पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, कथासरित्सागर, वेतालपञ्चविंशतिका, सिंहासनद्वात्रिंशिका
Panchatantra, Hitopadesha, Kathasaritsagara, Vetalapanchavimshatika, Simhasanadvatrimshika.